DR. T.N. SEEMA (Kerala): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार) **:** सर, मैं इस विषय के साथ एसोसिएट करता हूं।

SHRI P. BHATTACHARYA (West Bengal): Sir, I will take only one minute. A serious conspiracy is going on to finish the jute industry in the country. I demand an immediate statement from the Textile Minister. What is he doing in this matter?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri D. Bandyopadhyay, you just associate yourself with the mention.

SHRI D. BANDYOPADHYAY (West Bengal): Sir, I just want to state a couple of facts. Nothing more than that. West Bengal has ...*(Interruptions)*... hectares of jute ...*(Interruptions)*... It has a share of 96 per cent of jute exports.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is enough.

SHRI D. BANDYOPADHYAY: We want that the jute industry should be given all the necessary support.

SHRI DEREK O'BRIEN (West Bengal): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI SUKHENDU SEKHAR ROY (West Bengal): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI MUKUL ROY (West Bengal): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI BAISHNAB PARIDA (Odisha): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI A.U. SINGH DEO (Odisha): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

SOME HON. MEMBERS: Sir, we associate ourselves with the mention made by the hon. Member.

Increase in rape cases in the country including the recent incident in Delhi

श्रीमती रजनी पाटिल (महाराष्ट्र) **:** सर, मैं इस सभागृह में आपके माध्यम से एक अत्यंत घृणास्पद एवं निंदनीय घटना के संबंध में अपनी बात रखना चाहती हूं। दो-तीन दिन पहले दिल्ली

की "Uber" टैक्सी सर्विस, जो अमेरिका बेस्ड रेडियो टैक्सी सर्विस है, जिसकी टैक्सी में एक 27 वर्षीय महिला का रेक करके अत्यंत निंदनीय कृत्य किया गया, उसका निषेध करने के लिए मैं यहां आपके सामने खड़ी हूं।

सर, 2012 में जब निर्भया हत्याकांड हुआ था, तब की यू.पी.ए. गवर्नमेंट ने एक वेबसाइट तैयार की थी, जिसका नाम था एन.सी.आर.बी., नेम एंड शेम। इसमें जो रेप कन्विक्ट्स हैं, उन सभी के नाम इस वेबसाइट पर एक लिस्ट के रूप में डालने के बारे में सोचा गया था, लेकिन अफसरों ने यह चीज कब दफना दी, यह हमें पता ही नहीं चला। यह चीज़ आज यू.एस.ए., साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यू.के. में है, जहां इस तरह के जो क्राइम्स होते हैं, जो sex offenders हैं, उनकी लिस्ट इन सभी देशों में वेबसाइट पर चली जाती है और सभी को इनके बारे में पता होता है, तो इसे पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

सर, दूसरी बात जो गंभीर और चौंकाने वाली है, वह यह है कि ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने उनको जो परमिशन दी थी, वे बोलते हैं कि दिल्ली पुलिस की परमिशन उनको थी, दिल्ली पुलिस का वेरिफिकेशन था, लेकिन आज जब हमने न्यूज़पेपर में पढ़ा तो उसका उलटा-पुलटा रिएक्शन आ गया। पुलिस वाले बोल रहे हैं कि वह forged document है, बाकी के लोग बोल रहे हैं कि पुलिस का वेरिफिकेशन था, तो उसके लिए भी स्पष्टता होनी जरूरी है, क्योंकि लगता है कि यह बहुत गंभीर विषय है। सर, अभी जो आरोपी है, जिसे गिरफ्तार किया गया है, इस आरोपी को इसी आरोप में, रेप करने के कारण 2011 में गिरफ्तार किया गया था और सात महीने की सज़ा उसको कोर्ट द्वारा दी गई थी। तो इस तरह के आरोपी अगर खुलेआम घूमते हैं, दिल्ली में महिलाओं को रात नौ-साढ़े नौ बजे लेकर जाते हैं और इस तरह से अगर महिलाओं को असुरक्षित किया जाता है, तो मैं आपके माध्यम से यही विनती करना चाहूंगी कि यह सरकार जब सत्ता में आई थी, तो इसने बहुत बड़े-बड़े वायदे किए थे। यह कहा गया कि "फलाना करने वालो, जनता माफ नहीं करेगी, ये करने वालो, जनता माफ नहीं करेगी", लेकिन आज दिनदहाड़े हमारी महिलाएं असुरक्षित महसूस करती हैं। जब निर्भया हत्याकांड हुआ था तो उसे politicize कर दिया गया था, लेकिन अभी इतनी बड़ी घटना होने के बाद भी कोई उसके बारे में बोलने के लिए तैयार नहीं है। मुझे ऐसा लगता है कि पूरे सभागृह को इसके विषय में समर्थन देना चाहिए और बी.जे.पी. गवर्नमेंट को महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करना चाहिए, ऐसा मेरा कहना है।

SHRIMATI WANSUK SYIEM (Meghalaya): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

श्री दिग्विजय सिंह (मध्य प्रदेश) **:** सर, मैं इस विषय के साथ एसोसिएट करता हूं।

श्री विजय जवाहरलाल दर्डा (महाराष्ट्र) **:** सर, मैं भी इस विषय के साथ एसोसिएट करता हूं।

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश) : सर, मैं इस विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री परवेज़ हाशमी (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली) : सर, मैं इस विषय के साथ एसोसिएट करता हूं।

SOME HON. MEMBERS: Sir, we associate ourselves with the mention made by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All the Members are associating themselves with the mention. ...*(Interruptions)*...

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश) : मेरा मेंशन है **...(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All the names would be added. ...*(Interruptions)*... Shrimati Viplove Thakur has given her name. ...*(Interruptions)*.... So, you can speak. I am allowing you. ...*(Interruptions)*...

डा. विजयलक्ष्मी साधौ (मध्य प्रदेश) : सर, मुझे भी एक मिनट का समय दिया जाए **...(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: After Shrimati Viplove Thakur, I would call you. ...*(Interruptions)*... You have given notice. I will give you one minute. ...*(Interruptions)*...

श्री विजय गोयल (राजस्थान) : सर, हमने भी नोटिस दिया है। **...(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: After this, I will come to you. ...*(Interruptions)*... Okay, let her speak.

श्रीमती विप्लव ठाकुर : उपसभापति महोदय, मैं इस हाउस में यह कहना चाहती हूं कि यह कोई पहली घटना नहीं हो रही है। जब से यह सरकार आयी है, हर जगह, हर पेपर में आप रोज पढ़ लीजिए, किसी न किसी महिला के खिलाफ बलात्कार हो रहे हैं, रेप हो रहे हैं, उनको harass किया जा रहा है। यह सरकार उनके ऊपर कोई एक्शन नहीं ले रही है। यह कहा गया था कि हमें आने दीजिए, महिलाओं की सुरक्षा होगी। क्या महिलाओं की यह सुरक्षा है? दिन-दहाड़े इस तरह से हो रहा है। उसी टैक्सी ड्राइवर को सर्टिफिकेट दिया जा रहा है। उस पुलिस अफसर का पता लगाना चाहिए, जिसने उसे सर्टिफिकेट दिया। **...(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. That's all. ...*(Interruptions)*... Now, Dr. Vijaylaxmi Sadho. ...*(Interruptions)*...

श्रीमती विप्लव ठाकुर : मैं यह कहना चाहती हूं कि महिलाएं सुरक्षित नहीं है। हम कानून बनाते हैं, बहुत सी बातें करते हैं **...(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Don't bring in politics. ...*(Interruptions)*...

श्रीमती विप्लव ठाकुर : और हिन्दू धर्म और संस्कृति की बातें करते हैं **...(व्यवधान)**... हर रोज़ महिलाओं के साथ बलात्कार हो रहा है **...(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now please stop. Dr. Vijaylaxmi Sadho. ...*(Interruptions)*...

डा. विजयलक्ष्मी साधौ : सर, मैं साधु नहीं हूं, मेरा सरनेम साधौ है। मैं साधु नहीं हू, साध्वी नहीं हूं, मेरा सरनेम साधौ है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Okay. ...*(Interruptions)*...

डा. विजयलक्ष्मी साधौ : सर, हमारी माननीय सदस्या रजनी पाटिल जी ने पूरे सदन का ध्यान जिस घटना की ओर आकर्षित किया है, वह बड़ी * घटना है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN : You associate.

डा. विजयलक्ष्मी साधौ : सर, प्लीज़ मुझे एक मिनट का समय दे दीजिए। यह बहुत गंभीर विषय है, आप इस पर नहीं बोलने देंगे। सर, दिसम्बर का महीना फिर से एक और दर्दनाक महीना साबित हुआ है। जैसा कि पहले बताया गया कि यह व्यक्ति पहले भी रेप के केस में ही सात माह तिहाड़ जेल में होकर आया है। **...(व्यवधान)**... मैं कहना चाहती हूं कि यह सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण की बहुत बात करती थी कि महिलाओं का सशक्तिकरण दिया जाएगा, यह किया जाएगा, लेकिन दिल्ली आज भी सेफ नहीं है। हिन्दुस्तान की टॉप की हस्तियां दिल्ली के अंदर रहती हैं, लेकिन जिस तरह की दर्दनाक घटनाएं हो रही हैं, इससे हम सब लोग शर्मसार हैं, खासकर सरकार को होना चाहिए क्योंकि वह कहती कुछ है और करती कुछ है। **...(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right. ...*(Interruptions)*... Now, Mr. Goel. ...*(Interruptions)*...

डा. विजयलक्ष्मी साधौ : मेरा निवेदन है कि एक वरिष्ठ मंत्री ने यह कहा है कि कौन जानता है कि किसके दिल में क्या बैठा हुआ है। इस तरह का जवाब अगर सरकार के एक मंत्री की तरफ से आता है, तो यह बहुत * है। मैं निवेदन करना चाहती हूं कि **...(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Mr. Goel. ...*(Interruptions)*...

डा. विजयलक्ष्मी साधौ : सर, मेरी बात पूरी होने दीजिए। 1976 के **...(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You are only associating. ...*(Interruptions)*... I have allowed you for more than one minute. ...*(Interruptions)*...

डा. विजयलक्ष्मी साधौ : सर, मैं यह कहना चाहती हूं कि **...(व्यवधान)**...

†Expunged as ordered by the Chair.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Vijaylaxmiji, please. ...*(Interruptions)*... That's enough. ...*(Interruptions)*... You have made your point. ...*(Interruptions)*... You are associating. That's enough. ...*(Interruptions)*...

श्री विजय गोयल : सर, महिलाओं की सुरक्षा पूरे सदन की चिंता है। इस संबंध में पुलिस की accountability भी होनी चाहिए और जो दोषी हैं, उन्हें सजा मिलनी चाहिए। सबसे चिंता की बात यह है कि कैब के अंदर जी.पी.एस. नहीं है, ड्राइवर के पास करेक्टर सर्टिफिकेट झूठा है, वह इससे पहले भी अपराधी है, तो कहीं न कहीं चूकें हैं। मैं समझता हूं कि इसके ऊपर सरकार को ध्यान देना चाहिए, लेकिन पुलिस के बारे में एक और बात है। तीन दिन के अंदर उन्होंने अपराधी को पकड़ा है। इसके अलावा दिल्ली पुलिस 16-16 घंटे काम करती है। इसके काम करने के घंटे कम करने की आवश्यकता है। आठ घंटे से दस घंटे तो पुलिस वाला काम कर सकता है, लेकिन अगर वह 16 घंटे काम करेगा तो चूकें होंगी। हम चाहते हैं कि इस तरह के कांड न हों, इसके ऊपर सरकार और ज्यादा ध्यान दे और जो पुलिस जिम्मेदार है, उसकी जिम्मेदारी तय करे। धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. The whole House condemns this heinous crime. This is an issue to be seen above politics. I am sure the Government will take all necessary steps to ensure that the culprits are properly punished and also that steps will be taken so that such crimes do not recur. ...*(Interruptions)*... Don't bring politics into this. ...*(Interruptions)*... Please. ...*(Interruptions)*...

Unsafe food being served in many reputed restaurants of Delhi

श्री के.सी. त्यागी (बिहार) **:** सर, जिस तरह से महिलाओं के साथ इस तरह की छेड़छाड़ और बलात्कार की घटनाएं कलंक हैं, उसी तरह से दिल्ली के अंदर जो खाना डिफरेंट रेस्टोरेंट्स में परोसा जा रहा है, वह भी समाज के स्वास्थ्य के लिए बहुत खतरनाक है।

सर, मेरे पास दिल्ली सरकार के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की रिपोर्ट है और इसके बारे में बताने के लिए दर्जनों अखबारों की कतरनें हैं। दिल्ली सरकार ने हाई कोर्ट में जानकारी दी है कि उससे कैंसर और न्यूरोसर्जिकल प्रॉब्लम्स पैदा हो सकती हैं। सर, यह बहुत अफसोस की बात है कि दिल्ली के जो सबसे नामी-गिरामी रेस्टोरेंट्स हैं, चेन्स हैं, उनमें के.एफ.सी., सागर रत्ना, बीकानेरवाला है। के.एफ.सी. के बारे में पहले भी रिपोर्ट्स मिली हैं, कई मुस्लिम संगठनों ने कहा है कि वहां हलाल मीट नहीं मिलता, कई हिन्दू संगठनों ने कहा है कि वहां बीफ मिलता है उसमें जो राइस मिलता है, वह काफी सब-स्टैंडर्ड लेवल का है। जो सैम्पल 2003 से अक्टूबर 2014 के बीच लिए गए हैं, जो वेजिटेबल और फूड चटनी है, वह भी सब स्टैंडर्ड पाई गई है। बीकानेरवाला में आर्टिफिशियली कलर किया जाता है। दिल्ली सरकार के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने कहा है कि मार्च में हाई कोर्ट ने भी माना है कि this is unfit for human consumption.

सर, जो घी के सैम्पल लिए गए हैं उनमें पाया गया है कि इस घी को इस्तेमाल करने से शरीर में कई तरह के विकार पैदा हो सकते हैं, लेकिन होर्डिंग, मिलावट, जमाखोरी ये सरकार के कठिन इरादों के बाद ही समाप्त हो सकती हैं।